Dr. Babasaheb Ambedkar Open University
Term End Examination July-2019

Course	:	**BDP**	**Date**	:	**08/07/2019**
Subject Code	:	**EHD-04**	**Time**	:	**03:00pm to 06:00pm**
Subject Name	:	**मध्यकालीन भारतीय साहित्य, समाज और संस्कृति**	**Duration**	:	**3 Hours**
			Max. Marks	:	**70**

प्रश्न:१ *भक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए भक्ति संबंधि विभिन्न दार्शनिक मत प्रस्तुत कीजिए ।* **(१२)**

अथवा

कन्नड़ भक्ति साहित्य की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बसवेश्वरजी की सामाजिक चेतना को उजागर कीजिए ।

प्रश्न:२ *मलयालम भक्ति साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।* **(१२)**

अथवा

नरसिंह महेता के जीवन का परिचय देते हुए उनके काव्य का सामाजिक पक्ष स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न:३ *शंकरदेव और माधवदेव के काव्य की विशेषताएँ सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए ।* **(१२)**

अथवा

कश्मीरी कवि परमानंद के व्यक्तित्त्व एवम् कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न:४ *कबीरदास के जीवन का परिचय देते हुए उनकी दार्शनिक विचारधारा को स्पष्ट कीजिए ।* **(१२)**

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न:५ ***किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।*** **(१२)**

१. *तमिल का कृष्णभक्ति साहित्य*
२. *वल्लभ सम्प्रदाय के कवि*
३. *सूरदास की भक्ति-भावना*
४. *कृष्णोभासक कवयित्री मीरा का जीवनवृत*
५. *कृष्णभक्ति काव्यधारा में रसखान का स्थान*

प्रश्न:६ ***(अ) निम्नलिजित विधान सही (√) है या गलत (×) बताइए ;*** **(०६)**

१. *प्रेमतत्त्व सूफी मत का आधार है ।*
२. *नम्माल्वर कश्मीरी कवि है ।*

३. पालकुरिकि सोमनाथ का समय ११९० ईसवी से १२६० ईसवी तक माना गया है ।

४. गुजराती भक्ति साहित्य का आदि ग्रन्थ भागवत रहा है ।

५. महापुरूष शंकरदेव का कर्मक्षेत्रे महाराष्ट्र था ।

६. चंडीदास मराठी भाषा के जाने-माने कवि है ।

(ब) उचित जोड़ें मिलाइए ; **(०४)**

	(अ)		**(ब)**
१.	परमानंद	-	दोहाकोश
२.	सरहपा	-	राधास्वयंपर
३.	केशवदास	-	साहित्य लहरी
४.	सूरदास	-	रसिकप्रिया